प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर, जिला-ऊधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड, पिन-२६३१४५

स्व-रचित हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित

कैम्पस स्कूल के समृद्ध सक्सेना व प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के कान्हा जोशी रहे आगे

पंतनगर। ११ सितम्बर, २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रकाशन निदेशालय द्वारा आयोजित किये जा रहे हिन्दी सप्ताह के अन्तर्गत आज हुई स्व-रचित कविता पाठ प्रतियोगिता में स्कूल वर्ग व विश्वविद्यालय वर्ग में विद्यार्थियों द्वारा उच्च स्तर की कविताओं को प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने नारी, भ्रूण हत्या, बेटी, देश प्रेम, वृक्ष, जीवन मूल्य तथा समाज में वर्तमान में व्याप्त समस्याओं व बुराइयों, जैसे विषयों पर रचनाएं प्रस्तुत की। कविताओं को सुनकर पता चल रहा था कि व्हाटस एप युग में जी रहे ये विद्यार्थी भी देश व समाज की समस्याओं के प्रति उतने ही मुखर व संवेदनशील हैं जितना अन्य कोई व्यक्ति। विद्यार्थियों ने अपने भावों को सरल किन्तु सटीक शब्दों के द्वारा प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता के स्कूल वर्ग में प्रथम स्थान पर कैम्पस स्कूल के समृद्ध सक्सेना रहे। दूसरे स्थान पर कैम्पस स्कूल की दो छात्राऐं इशिका एवं अनुमेहा सिंह तथा तीसरे स्थान पर राजकीय कन्या इंटर कालेज की छात्रा प्रिया रही। विश्वविद्यालय वर्ग में प्रथम स्थान पर प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के कान्हा जोशी एवं द्वितीय स्थान पर इसी महाविद्यालय की हिमानी द्विवेदी रही। तृतीय स्थान कृषि महाविद्यालय के दो विद्यार्थियों, गिरिजेश सिंह महरा एवं आरजू कोहरा को मिला। स्कूल वर्ग की प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित स्कूलों के कक्षा ९ से १२ के ११ छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जबकि विश्वविद्यालय वर्ग की प्रतियोगिता में पंतनगर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के १० विद्यार्थियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की।

प्रतिभागियों की कविताओं का मूल्यांकन करने हेतु निर्णायक मंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय के प्राध्यापक, डा. वीर सिंह; पंतनगर इंटर कॉलेज के शिक्षाक, श्री राम जगत गौरव; राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की शिक्षिका, श्रीमती अरूणा वर्मा एवं कैम्पस स्कूल के शिक्षाक, श्री प्रदीप जोशी, सम्मिलित थे।

(1)

(2)

विश्वविद्यालय एवं विद्यालय वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले क्रमशः गिरिजेश सिंह महरा (१) एवं समृद्ध सक्सेना (२) निर्णायक मंडल के समक्ष कविता प्रस्तुत करते।